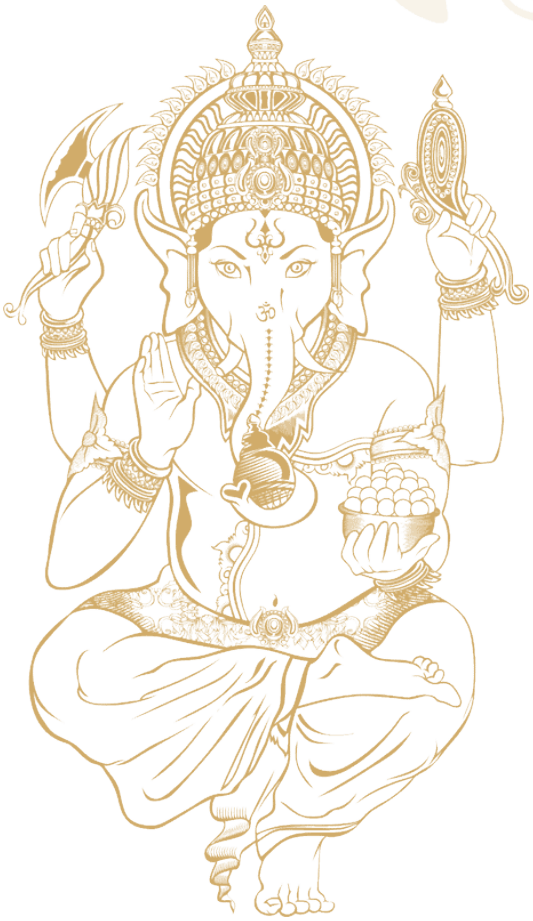

????? ????

05 Dec 2020

05:55 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121164805

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/12/2020**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**17:55:00 घंटे**
इष्ट	28:00:12 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:46:16 घंटे
वेलान्तर	00:09:17 घंटे
साम्पातिक काल	22:45:20 घंटे
सूर्योदय	06:42:55 घंटे
सूर्यास्त	17:16:10 घंटे
दिनमान	10:33:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:40:56 वृश्चिक
लग्न के अंश	00:04:40 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डी-डिंपल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:04:40	339:46:55	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	19:40:56	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	18:32:49	13:03:56	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	स्वराशि
मंगल			मीन	23:56:04	00:14:55	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	11:36:58	01:33:43	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			मक	02:54:05	00:12:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शुक्र			तुला	23:10:44	01:14:42	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि			मक	04:40:52	00:05:43	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	स्वराशि
राहु			वृष	25:47:21	00:00:38	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	25:47:21	00:00:38	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	13:13:40	00:01:50	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
नेप			कुंभ	24:01:49	00:00:13	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			धनु	29:14:33	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	15:38:02	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:40

लग्न-चलित

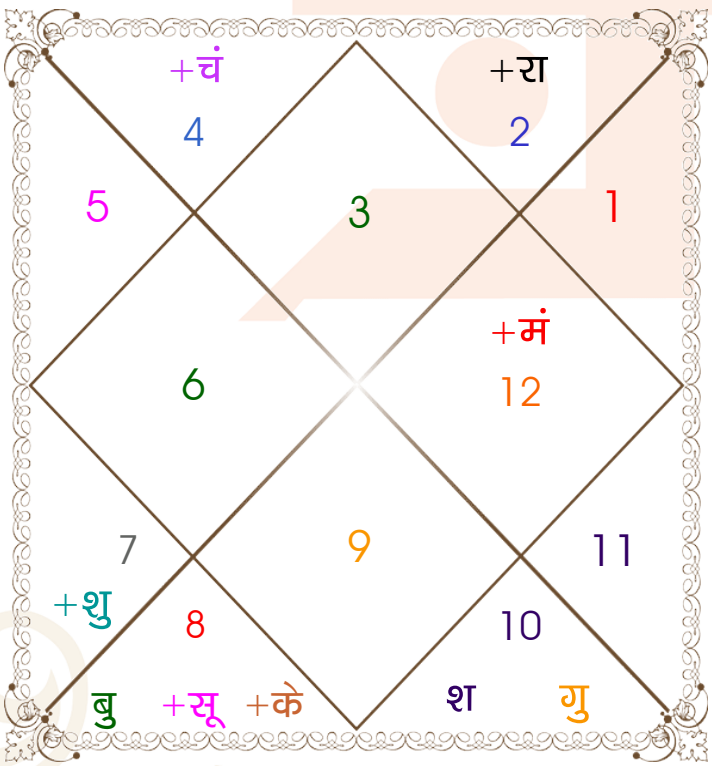

चन्द्र कुंडली

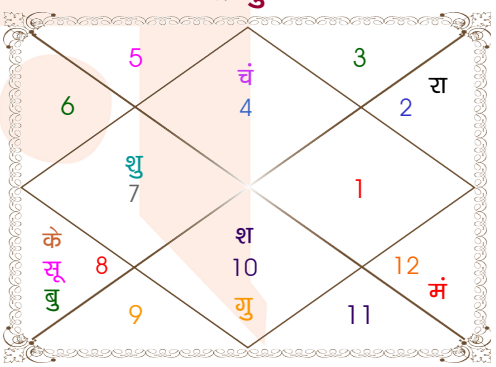

नवमांश कुंडली

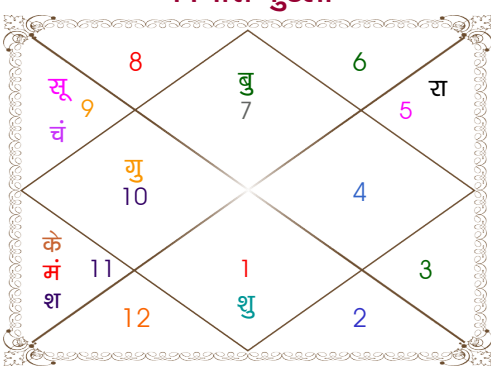

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 7 मास 7 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/12/2020		14/07/2035		14/07/2042		14/07/2062		13/07/2068	
14/07/2035		14/07/2042		14/07/2062		13/07/2068		14/07/2078	
बुध	09/12/2020	केतु	10/12/2035	शुक्र	12/11/2045	सूर्य	31/10/2062	चंद्र	13/05/2069
केतु	06/12/2021	शुक्र	08/02/2037	सूर्य	12/11/2046	चंद्र	02/05/2063	मंगल	13/12/2069
शुक्र	06/10/2024	सूर्य	16/06/2037	चंद्र	13/07/2048	मंगल	07/09/2063	राहु	13/06/2071
सूर्य	13/08/2025	चंद्र	15/01/2038	मंगल	12/09/2049	राहु	31/07/2064	गुरु	12/10/2072
चंद्र	12/01/2027	मंगल	13/06/2038	राहु	12/09/2052	गुरु	20/05/2065	शनि	14/05/2074
मंगल	09/01/2028	राहु	02/07/2039	गुरु	14/05/2055	शनि	02/05/2066	बुध	13/10/2075
राहु	29/07/2030	गुरु	07/06/2040	शनि	14/07/2058	बुध	08/03/2067	केतु	13/05/2076
गुरु	03/11/2032	शनि	16/07/2041	बुध	13/05/2061	केतु	14/07/2067	शुक्र	12/01/2078
शनि	14/07/2035	बुध	14/07/2042	केतु	14/07/2062	शुक्र	13/07/2068	सूर्य	14/07/2078

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/07/2078		13/07/2085		15/07/2103		15/07/2119		15/07/2138	
13/07/2085		15/07/2103		15/07/2119		15/07/2138		00/00/0000	
मंगल	10/12/2078	राहु	25/03/2088	गुरु	01/09/2105	शनि	18/07/2122	बुध	06/12/2140
राहु	28/12/2079	गुरु	19/08/2090	शनि	14/03/2108	बुध	27/03/2125		00/00/0000
गुरु	03/12/2080	शनि	25/06/2093	बुध	20/06/2110	केतु	06/05/2126		00/00/0000
शनि	12/01/2082	बुध	12/01/2096	केतु	27/05/2111	शुक्र	05/07/2129		00/00/0000
बुध	09/01/2083	केतु	30/01/2097	शुक्र	25/01/2114	सूर्य	17/06/2130		00/00/0000
केतु	07/06/2083	शुक्र	31/01/2100	सूर्य	13/11/2114	चंद्र	16/01/2132		00/00/0000
शुक्र	06/08/2084	सूर्य	25/12/2100	चंद्र	14/03/2116	मंगल	24/02/2133		00/00/0000
सूर्य	12/12/2084	चंद्र	26/06/2102	मंगल	18/02/2117	राहु	01/01/2136		00/00/0000
चंद्र	13/07/2085	मंगल	15/07/2103	राहु	15/07/2119	गुरु	15/07/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 6 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।